विदिशा में खेली जा रही अंतर विद्यालयीन फुटबॉल प्रतियोगिता मैं इल्वा हायर सेकेंडरी स्कूल मैं अपने प्रथम मुकाबले में विपक्षी टीम पर 8-0 से जीत दर्ज की

इंदौर। विदिशा में खेली जा रही अंतर विद्यालयीन फुटबॉल प्रतियोगिता मैं इल्वा हायर सेकेंडरी स्कूल मैं अपने प्रथम मुकाबले में विपक्षी टीम पर 80 से जीत दर्ज करी।

इस अवसर पर खिलाड़ियों को स्कूल चेयरमैन श्री अजय नागोरिया जी और स्कूल के प्रधानाचार्य डॉक्टर संजय मिश्रा जी ने अपनी बधाई दी हैं एवं आगामी मुकाबले के लिए अपनी शुभकामनाएं दी है।

इंदौर के चार मेडिकल स्टोर्स को किया गया सील

इंदौर। इंदौर फार्मेसी अधिनियम 1948 के प्रावधानों, फार्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन 2015 के अध्याय 7 व 8 तथा मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल की सार्वजनिक सूचना के उल्लंघन पाये जाने पर जिला प्रशासन के अमले ने बड़ी कार्रवाई की है। इसके तहत चार मेडिकल स्टोर्स को सील किया गया है।

एडीएम श्री रोशन राय के निर्देशन में आज समस्त औषधि निरीक्षकों द्वारा दुकानों का निरीक्षण कराया गया। इसमें फार्मेसी अधिनियम 1948 के प्रावधानों एवं फार्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन 2015 के अध्याय 7 व 8 के उल्लंघन किया जाना पाये जाने पर तत्काल हेल्थ केयर फार्मेसी मेघदूत स्क्वायर, अतुल्य मेडिफार्मा विजय नगर, मेडिमार्ट मेडिकल एजेन्सी स्कीम नं. 54, यशोदा फार्मोनिक्स विजय नगर को सील किया गया।

उल्लेखनीय है कि इंदौर रिटेल केमिस्ट ट्रेड आर्गेनाईजेशन द्वारा कलेक्टर श्री आशीष सिंह को अनाधिकृत व्यक्तियों द्वारा फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति में दवाओं की वैधता, गुणवत्ता और सुरक्षा की जांच नहीं होने एवं डाक्टरों द्वारा स्वयं बिना लायसेंस के दवाएं बेचे जाने एवं दवाईयों को खरीदने हेतु आकर्षित करने के लिए डिस्काउंट बोर्ड लगाने तथा मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल द्वारा सार्वजनिक सूचना 25 जुलाई 2025 के उल्लंघन किये जाने की शिकायत की गई थी।

उक्त परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में जांच करायी गई। जांच में यह पाया गया कि कतिपय मेडीकल स्टोर संचालकों द्वारा उपभोक्ताओं/मरीजों को उनसे दवाईयां खरीदने के लिए आकर्षित करने हेतु अपने संस्थान के परिसर में डिस्काउंट का बोर्ड लगाने तथा दवाइयों की खरीद पर छूट व रियायतें देने संबंधी मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल की सार्वजनिक सूचना का उल्लंघन पाये जाने पर सतत कार्यवाही के निर्देश भी दिये गये है।

कार्टून कोना.....

राम दरबार

यमराज की शिक्षण साधना

चित्रगुप्त ने एक दिन यमराज को बुलाकर कहा- महाराज, आपका हिसाब-किताब अब कंप्यूटर संभाल लेगा। कुछ नया आजमाइए! यमराज ने भौंहें तरेरीं- नया क्या यमलोक में रियलिटी शो शुरू करूँ चित्रगुप्त ने ठंडी साँस भरी- नहीं, सरकारी स्कूल में टीचर बन जाइए। अगले सोमवार को उन्होंने अपनी भैंस को छुट्टी दी, खड़ग को ताले में बंद किया और हाजिरी रजिस्टर थामकर सरकारी स्कूल पहुँच गए। पहले दिन जैसे ही घंटी बजी, बच्चे तितर-बितर होकर भाग गए। यमराज बोले- कहाँ भागे रे आत्माओं एक लड़के ने जवाब दिया- सर, टिफिन पीरियड है। यमराज को समझ आया कि यहाँ पहली घंटी पढ़ाई की नहीं, जिन्दगी के मजे की होती है। यमलोक में तो एक ही पुकार पर आत्मा हाजिर हो जाती है। लेकिन यहाँ नाम पुकारो- रामलाल उत्तर- सर, वो बकरियाँ चराने गया है। श्यामू सर, वो पेड़ पर चढ़ रहा है। तभी एक भैंस स्कूल में आ गई और बच्चों के बीच बैठ गई। यमराज ने गुस्से में डंडा उठाया, पर बच्चे बोले- सर, ये हमारी क्लास की पक्की सदस्य है। कल भी बैठी थी, सिर्फ बोर्ड पर नहीं लिख पाती।

यमराज सोचते थे, भोजन शांति लाता है। लेकिन यहाँ मिड-डे मील में खिचड़ी के लिए ऐसा युद्ध हुआ कि दुर्योधन-पांडव भी शरमा जाएँ। एक बोला- सर, मेरी थाली में आलू नहीं पड़ा! दूसरा- मुझे तो चम्मच ही नहीं मिला! यमराज बोले- अरे, मृत्यु के बाद सब बराबर हैं। बच्चे बोले- पर मिड-डे मील में नहीं, सर।

यमराज ने किताब खोली तो उसमें लिखे नए-नए शब्द देखकर उनके प्राण सूख गए- एकीकृत सामाजिक अध्ययन अनुभवात्मक शिक्षाः यह पढ़कर यमराज को चक्कर आ गए और वे कुर्सी से नीचे गिर गए। जैसे ही ब्लॉक अधिकारी निरीक्षण के लिए आए, बच्चे ऐसे सीधे बैठ गए जैसे सदियों से संस्कारों में डूबे हों।निरीक्षण खत्म होते ही वही बच्चे किताब को पतंग और पेंसिल को भाला बना बैठे, बाकायदा घोषित महाभारत करने लगे। यमराज बोले- ये तो यमलोक के चतुर राक्षसों से भी तेज हैं!

यमराज ने माता-पिता की बैठक बुलाई। एक पिता बोले- सर, मिड डे मील में मिठाई भी खिलाएं। दूसरा बोला- मेरे लड़के को फ्री की सरकारी ड्रेस अभी तक नहीं मिली है।जैसे ही परीक्षा का नाम आया, आधे बच्चे बुखार का बहाना करने लगे। जो आए उन्होंने अपनी खाली कॉपियां यमराज के आगे रख दी।

यमराज को कहा कि वे उनकी खाली कॉपियों में नकल करके लिख दें, वरना हमारे फेल होने पर सरकार तुम्हें सस्पेंड कर देगी। यमराज को क्लास में पढ़ाने के बजाय बच्चों के झगड़े सुलझाने, मिड-डे मील गिनने, रजिस्टर भरने, ब्लॉक ऑफिस के कागज बनाने और निरीक्षण अधिकारी को चाय नाश्ते में पूरा दिन चला गया। शाम को उन्होंने कहा- चित्रगुप्त, यहाँ तो आत्मा छीनने से ज्यादा कठिन है बच्चों को ज्ञान देना!

यमराज ने भैंस पर सवार होकर टीचरशिप से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने स्कूल के गेट पर एक शिलालेख लिखा- शिक्षा मृत्यु से कठिन है और सरकारी स्कूल में तो यह पुनर्जन्म से भी दुर्लभ है।

रामविलास जांगिड़,18, उत्तम नगर घूघरा, अजमेर (305023) राजस्थान

शेयर मार्केटिंग एवं ट्रेडिंग के नाम पर ठगी करने वाला पकड़ाया

कई राज्यों में लोगो को बनाया अपना शिकार

इंदौर (मनीष शर्मा)। इंदौर क्राइम ब्रांच ने करोड़ों रुपए की ठगी के मामले में जालसाज को गिरफ्तार किया है, पकड़े गए आरोपी द्वारा कई राज्यों में लोगों को अपनी ठगी का शिकार बनाया गया हैं। उक्त आरोपी द्वारा मुम्बई के व्यापारी से करीबन दो करोड, इक्कीस लाख रुपये की ठगी की गई थी । आरोपी द्वारा कूटरचित दस्तावेज बनाकर फरियादी के साथ ठगी को अंजाम दिया गया था।

विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक आवेदक प्रतिक खंडेलवाल पिता राजु खंडेलवाल उम्र 36 साल नि.1402 टावर सी ओमकार अल्टामांड मालाड ईस्ट मुम्बई द्वार रिपोर्ट की गई थी कि, अनलिस्टेड कंपनी इएसडीएस के 75 हजार शेयर बेचने के नाम पर कूटरचित दस्तावेज बनाकर , धोखाधडी कर आरोपी अभिषेक भट्ट उम्र 40 साल नि. कलाकृति एवेन्यू चिकित्सक नगर इंदौर द्वारा करीबन 2,21,00,000/- (दो करोड, इक्कीस लाख रुपये) की ठगी की गई है ।

आवेदक के आवेदन पत्र की जांच के आधार पर कार्यवाही करते हुए थाना अपराध शाखा पर अपराध क्रमांक 146/2025 धारा 318 (4), 338,336 (3), 340 (2) भारतीय न्याय संहिता 2023 का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दौराने विवेचना उपरोक्त आरोपी अभिषेक भट्ट को गिरफ्तार किया गया हैं।

आरोपी ने पूछताछ में उक्त घटना को करना स्वीकार किया है । आरोपी से अभी और पूछताछ की जा रही है जिसमें और भी ठगी वारदातों के खुलासा होने की भी संभावना है। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही थाना अपराध शाखा द्वारा की जा रही है ।

बीओ खरे का तबादला स्टे खारिज, बाकी स्वच्छ भारत मिशन में कर चुके ज्वाइन

इन्दौर। निगम जोन पर बिल्डिंग परमिशन शाखा में बिल्डिंग अफसर (बीओ) और बिल्डिंग इंस्पेक्टर (बीआइ) पद पर पदस्थ नक्शे पास करने का काम करने वाले उन उपयंत्रियों जिनकी नियुक्ति व्यापम के जरिए नगर निगम इन्दौर में हुई थी को इंदौर से बाहर ट्रांसफर कर दिया गया था।

भोपाल से हुए इन तबादलों के बाद बीओ-बीआइ हाईकोर्ट चले गए थे और वहां से इस तबादला आदेश पर स्टे ले आए थे। इनमें मुख्यालय बीओ मूल पद सहायक यंत्री असित खरे भी शामिल थे, जिनका तबादला कटनी नगर निगम में कर दिया गया था। खरे द्वारा तबादला आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट से लिए स्टे को खारिज कर दिया गया है। ज्ञात हो कि हाईकोर्ट से स्टे लाने वालों में खरे के अलावा बीओ शैलेंद्र मिश्रा, शिवराज यादव, विनोद अग्रवाल, राहुल रघुवंशी और बीआइ अतीक खान भी थे निगम ने इनको फिर भी तबादला होने पर रिलीव कर दिया था और स्टे लाने के बाद निगम को इन्हें फिर से ज्वॉइन करवाया था। इन सब की ज्वाइनिंग स्वच्छ भारत मिशन में स्टे लाने वाले बीओ के तौर पर ही हुई है, लेकिन उनके पास कोई काम नहीं है।

मध्य प्रदेश के सभी आईपीएस अधिकारियों से सरकार संतुष्ट

किसी का नहीं होगा फोर्स रिटायरमेंट

इंदौर। फोर्स रिटायरमेंट के लिए बनी कमेटी की बैठक भोपाल में हुई। इस बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, डीजीपी कैलाश मकवाना, राजस्थान के महानिदेशक ट्रेनिंग अशोक राठौड़, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया तथा गुलशन बामरा इस कमेटी की बैठक में शामिल थे।

इस कमेटी के सामने सभी आईपीएस अधिकारियों के कामों का रिव्यू किया गया। इसमें कोई भी ऐसा अधिकारी नहीं पाया गया। जिसे फोर्स रिटायरमेंट के लिए केंद्र सरकार को नाम भेजा जा सके। कमेटी की बैठक के बाद यह स्पष्ट हो गया है,मध्य प्रदेश का कोई भी आईपीएस अधिकारी ऐसा नहीं है। जो अपने काम के प्रति लापरवाह या गैर जिम्मेदार हो।

अखिल भारतीय सेवाओं में 15 और 25 साल की सेवा अथवा 50 साल की उम्र पूर्ण करने वाले अधिकारियों के लिए, अनिवार्य सेवानिवृत्ति का प्रावधान किया गया है। इसके लिए उच्च अधिकार प्राप्त कमेटी रिव्यू करती है। यदि ऐसा लगता है किसी अधिकारी के काम से सरकार संतुष्ट नहीं है। तो उसे अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्ति दिए जाने का प्रावधान है। इस कमेटी की बैठक के बाद यह स्पष्ट हो गया है। मध्य प्रदेश के सभी आईपीएस अधिकारी जिन्होंने 15 साल, 25 साल की सेवा अथवा 50 साल की उम्र पूर्ण कर ली है। वह सभी अच्छे तरीके से कम कर रहे हैं।

श्रीकृष्णजन्माष्टमी पर भजनों की प्रस्तुति होगी

इंदौर। नवरत्न बाग स्थित श्री विजय मारुति हनुमान मन्दिर में महंत मंगलदास महाराज खाकी के सानिध्य में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनेगी। मीडिया प्रभारी प्रवीण जोशी ने बताया कि16 अगस्त की रात्रि को महा आरती होगी। इस अवसर पर एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डे - स्कालर छात्रों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जायेगी। इसके पूर्व शाम को 5 बजे मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

ADCON CAPITAL SERVICES LIMITED
Regd. Office : 417, Chetak Centre NX, Near Hotel Shreemaya RNI Marg, Indore, Madhya Pradesh, 452001
CIN : L67120MP1994PLC008511 Email : adconcap@gmail.com, Website : www.adconcap.com

Statement of Unaudited Financial Results for the Quarter ended 30th June 2025

₹ in Lakhs

Sr. No.	Particulars	Quarter ended 30th June 2025	Quarter ended 30th June 2024	Year Ended 31st March 2025
		Un-Audited		Audited
1	Total Income from Operations (Net)	93.10	46.99	324.11
2	Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	64.66	22.94	274.59
3	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	64.66	22.94	274.59
4	Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	48.39	17.14	218.29
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	50.02	36.10	160.56
6	Paid-up Equity Share Capital	3,181.28	3,181.28	3,181.28
7	Face Value of Equity Shares	1.00	1.00	1.00
8	Other Equity			219.16
9	Earning Per Share (before Extra-Ordinary items) of ₹ 1/- each (for continuing and discontinued operations)			
	a) Basic	0.02	0.01	0.07
	b) Diluted	0.02	0.01	0.07

Notes :
1. The above is an extract of the detailed format of Standalone Un-Audited Financial Results for the quarter ended 30th June 2025 filed with the Stock Exchange/s under Regulation 33 of the SEBI LODR Regulations, 2015. The full format of the Un-Audited results for the Quarter ended 30th June 2025 is available on the Company website "www.adconcap.com" and on the Stock Exchange website i.e. www.bseindia.com.

For Adcon Capital Services Limited
Sd/-
Piyush Saraf
Managing Director

Place : Indore
Date: August 14, 2025

रौद्र नाद

हे पाखण्ड खण्डिनी कविते ! तापिक राग जगा दे तू।
सारा कलुष सोख ले सूरज, ऐसी आग लगा दे तू।।
कविता सुनने आने वाले, हर श्रोता का वन्दन है।
लेकिन उससे पहले सबसे, मेरा एक निवेदन है।।1।।

आज माधुरी घोल शब्द के, रस में न तो डुबोऊँगा।
न मैं नाज-नखरों से उपजी, मीठी कथा पिरोऊँगा।।
न तो नतमुखी अभिवादन की, भाषा आज अधर पर है।
न ही अलंकारों से सज्जित, माला मेरे स्वर पर है।।2।।

न मैं शिष्टतावश जीवन की, जीत भुनाने वाला हूँ।
न मैं भूमिका बाँध-बाँध कर, गीत सुनाने वाला हूँ।।
आज चुहलबाज़ियाँ नहीं, दुन्दुभी बजाऊँगा सुन लो।।
मृत्युराज की गाज काल भैरवी सुनाऊँगा सुन लो।।3।।

आज हृदय की तप्त वीथियों, में भीषण गर्माहट है।
क्योंकि देश पर दृष्टि गड़ाए, अरि की आगत आहट है।।
इसीलिए कर्कश कठोर वाणी का यह निष्पादन है।
सुप्त रक्त को खौलाने का, आज विकट सम्पादन है।।4।।

कटे पंख सा विवश परिन्दा, मन के भीतर जिन्दा है।
कुछ लोगों के कारण भारत, बुरी तरह शर्मिन्दा है।।
जितना खतरा नहीं देश को, दुश्मन के हथियारों से।
उससे ज्यादा भय लगता है, छिपे हुए गद्दारों से।।5।।

ये इतने मतलब परस्त हैं, धर लें धन की पेटी को।
बदले में गिरवी रख सकते, हैं माँ बीवी-बेटी को।
दाँव लगे तो धरा-धाम, परिवेश बेच सकते हैं ये।
क्षणिक स्वार्थ के लिए स्वर्ग सा, देश बेच सकते हैं ये।।6।।

जासूसों की ठण्ड घटाने को, सिगड़ी रख देते ये।
गुस्ताखों की भूख मिटाने को, रबड़ी रख देते ये।।
देशद्रोहियों के मुख में, मुर्गी तगड़ी रख देते ये।
जयचन्दों के अभिनन्दन में, झट पगड़ी रख देते ये।।7।।

जिनकी सोच समझ पर कुण्ठा, के जाले पड़ जाते हों।
राष्ट्र-गीत गाते ही अधरों, पर ताले पड़ जाते हों।।
जिनकी शक्ल देखते रोटी, के लाले पड़ जाते हों।
कौओं की क्या कहूँ कबूतर, तक काले पड़ जाते हों।।8।।

उनके सम्मुख अपना माथा, रोज टेकना पड़ता है।
जिन्हें देखना नहीं चाहता, उन्हें देखना पड़ता है।।
जिस मिट्टी ने पाला-पोसा, उसकी गरिमा भूल गए।
चाहे जिसको पिता लिख दिया, माँ की महिमा भूल गए।।9।।

जिनको अन्तर नहीं सूझता, पापड़ और पहाड़ों में।
कौन शक्ति बलबती सोचते, भों-भों और दहाड़ों में।।
उनकी चिन्ता नहीं मुझे वे, सुनें या कि अनसुना करें।
बैठें या फिर चले जाँय, घर पर जाकर सिर धुना करें।।10।।

वही रहे नर-नाहर जिसमें, सुनने का दम गुर्दा हो।
वरना चला जाय बैठक से, जिन्दा हो या मुर्दा हो।।
मैं आया हूँ वीरों की नस-नस में रोश जगाने को।
कायर में ही नहीं नपुंसक, तक में जोश जगाने को।।11।।

इतना है विश्वास कापुरुष, सुन लें मेरी वाणी को।
निश्चय ही तलवार उठा, लेंगे कर में कल्याणी को।।
मेरी आग भरी वाणी से, दहक उठेगी यह दुनिया।
ज्वालाएँ बरसेंगी मुख से, धधक उठेगी यह दुनिया।।12।।

जिन लपटों की लपक देख, थर्राती लोहे की छाती।
पिघल-पिघल कर मोम स?रीखी, पानी-पानी हो जाती।।
उसी आग की चिनगारी को, बिछा रहा हूँ डग-डग में।
कोशिश है भर दूँगा बाँके, वीरों की मैं रग-रग में।।13।।

मैं छन्दों में ढाल चुका हूँ, लावा ज्वालामुखियों का।
जबरदस्त आह्वान किया है, योद्धा सूरजमुखियों का।।
हिम्मत हो तो ही तुम सुनना, वरना जाना भाग कहीं।
कविता सुनने के चक्कर में, लगा न लेना आग कहीं।।14।।

छोटे मुँह से बड़ी बात, बेशक तुमको चुटकुला लगे।
या फिर शान्ति काल में आया, प्रलयंकर ज़लज़ला लगे।।
मेरी कविता तुम को चाहे, कला लगे या बला लगे।
यह भारत का रौद्र नाद है, बुरा लगे या भला लगे।।15।।

कपटी मन के पेट दर्द की, जड़ी हमारे पास नहीं।
चाल भरी छल विद्या छोटी,-बड़ी हमारे पास नहीं।।
चलता समय रोक ले ऐसी, घड़ी हमारे पास नहीं।
छूमन्तर कर देने वाली, छड़ी हमारे पास नहीं।।16।।

फिर भी मैं इस शेष सभा को, काज बताने आया हूँ।
मैं यौवन के स्वर्ण काल का, राज बताने आया हूँ।।
तुम क्या हो तुम क्यों आये हो ? क्या करना मालूम नहीं।
कैसे जीना मरना कैसे लय होना मालूम नहीं।।17।।

इसीलिए इस ज्ञान खण्ड की, शिक्षा बहुत जरूरी है।
जन्म लिया जिस भू पर, उसकी रक्षा बहुत जरूरी है।।
तो बलिवीरो! उठो सुनो, तुम जो चाहो कर सकते हो।
मात्र आत्म बल के बल पर, तन में पौरुष भर सकते हो।।18।।

तुम्हें किसी अदृश्य शक्ति ने, जो सामर्थ्य परोसा है।
जिस के बल पर मातृभूमि को, तुम पर अटल भरोसा है।।
जब तक तुम हो तब तक तय है, दुश्मन सफल नहीं होगा।
जल-थल-नभ के जड़ चेतन का, जीवन विकल नहीं होगा।।19।।

तुम चाहो तो कण कथीर के, कंचन कोहिनूर कर दो।
चट्टानों को दबा,-दबा कर, कर से चूर-चूर कर दो।।
पलक खोलते ही पल में, पाषाण पिघलने लग जाएँ।
एक फूँक में आँधी क्या, तूफान मचलने लग जाएँ।।20।।

पाँव पटकते ही पानी की?, धार धरा से फूट पड़े।
तुम चाहो तो इन्द्र बज्र सा, साहस अरि पर टूट पड़े।।
आत्मबली वीरों को किंचित, भय न किसी खाँ का होता।
बीच बैरियों के लड़ते हैं, बाल नहीं बाँका होता।।21।।

सिर पर कफन बाँध कर चलना, व्रत होता प्रणवीरों का।
तब ही भाग्य साथ देता है, अपराजित रणधीरों का।।
राष्ट्र-यज्ञ में प्राणाहुति से, बड़ा और बलिदान नहीं।
इससे बढ़कर कीर्तिकाम का, कोई भी सम्मान नहीं।।22।।

रात्रि घनी है जंग ठनी है, दीपक बनकर जलना है।
अँधियारों के बीच बैठकर, मुख से आग उगलना है।।
सुन लो राष्ट्र प्रेम के चिन्तन, का मन्तव्य समझते जो।
मातृभूमि की सेवा को, पहला कर्तव्य समझते जो।।23।।

उनसे ही कह सकता हूँ मैं, मरने मिटने जीने की।
दुश्मन से लोहा लेने की, अलभ सुधारस पीने की।।
वीरों को मन से प्रणाम है, मेरा बस इतना कहना।
दुश्मन घात लगाकर बैठे हैं, तुम चौकन्ने रहना।।24।।

आज नहीं तो कल इन हालातों, से पाला पड़ना है।
हमें युद्ध दोगलों और, दुश्मन? दोनों से लड़ना है।।
इसीलिए हर प्रहर कमर पर, काल बाँध कटिबद्ध रहो।
क्या जाने कब बैरी कर दे, हमला तुम सन्नद्ध रहो।।25।।

गिरेन्द्रसिंह भदौरिया प्राण
957 स्कीम नं. 51, इन्दौर
पिन- 452006 म.प्र.